भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा बीजों की उन्नत किस्मों पर अनुसंधान

672. **श्री राम जेठमलानी:**
श्रीमती सुषमा स्वराज:

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि गत तीन वर्षों के दौरान भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् ने अनेकानेक उपजाऊ एवं उन्नत किस्म के बीजों के संबंध में अनुसंधान किया है;

(ख) यदि हां, तो इन उन्नत किस्म के बीजों तथा इनके उपयोग से उत्पादन में वृद्धि संबंधी अनुमानित प्रतिशत का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने देश के किसानों को पर्याप्त मात्रा में ये उन्नत किस्म के बीज प्रदान करने के लिए इस दौरान कोई कारगर व्यवस्था की है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) आठवीं पंचवर्षीय योजना के अन्त तक सरकार द्वारा देश में कितनी मात्रा में ये बीज उपलब्ध कराये जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एस० कृष्ण कुमार): (क) और (ख) जी हां, पिछले तीन वर्षों के दौरान विकसित किए गए बीजों की सुधरी किस्मों की एक सूची संलग्न विवरण में दी गई है। (नीचे देखिए) आमतौर पर ये सुधरी किस्में पुरानी सुधरी किस्मों की तुलना में 15-20% अधिक पैदावार देती हैं।

(ग) और (घ) जी हां, किसानों को अधिसूचित की गई किस्मों के बीज उपलब्ध कराने के लिए क्रमबद्ध बीज संवर्धन कार्यक्रम चलाया जा रहा है। संबंधित राज्यों/भारत सरकार के सार्वजनिक और निजी दोनों प्रकार के संगठनों से प्राप्त मांग-पत्र के अनुसार सभी सुधरी किस्मों के बीजों का उत्पादन विभिन्न अनुसंधान संगठनों के सहयोग से किया जा रहा है। अन्य तरह के बीजों जैसे फाउन्डेशन और सर्टिफाइड सीड को केन्द्रीय/राज्य बीज निगम, निजी बीज एजेन्सियों और एन०जी०ओ० द्वारा उपभोक्ताओं की मांग के अनुसार बीजों का उत्पादन किया जा रहा है।

(ङ) आठवीं पंचवर्षीय योजना के अंत तक प्रमाणित (सर्टिफाइड) बीज वितरण का लक्ष्य 70 लाख क्विंटल है, जिसमें अधिसूचित किस्मों के बीज भी शामिल हैं।

विवरण

पिछले तीन वर्षों के दौरान विकसित की गई किस्में/बीज जिनमें राज्य स्तर पर रिलीज की गई और सुधारी गई किस्में भी शामिल हैं

फसल का नाम	किस्मों की संख्या
चावल	63
गेहूं	21
मक्का	17
ज्वार	13
बाजरा	12
दलहन	54
मूंगफली	13
सोयाबीन	4
तेरिया सरसों	5
सूरजमुखी	9
कुसुम	2
कपास	23
अन्य (गन्ना, तम्बाकू जौ, छोटे अनाज, सब्जियां आदि)	39

Availability of Railway Wagons to Steel Sector

673. SHRI N. GIRIPRASAD:
SHRI KRISHNA KUMAR BIRLA:
SHRI CHATURANAN MISHRA:

Will the Minister of STEEL be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the PSUs under his Ministry are facing the problems of non-availability of wagons for inward as well as outward movement of goods and raw materials;

(b) if so, whether the problem has been brought to the notice of Railway Ministry; and

(c) if so, the details and the reaction of the Railway Ministry thereto?